Result Mitra Daily Magazine

डॉलराइजेशन

➢ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में RBI के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि भारत वि–डॉलरीकरण (De–Dollarisation) का प्रयास नहीं कर रहा है, बल्कि व्यापार जोखिम को कम करने के लिए घरेलू मुद्रा में लेनदेन को बढ़ावा दे रहा है।
- दरअसल USA के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ दिन पूर्व यह चेतावनी दी थी कि अगर 'BRICS' देशों ने USA डॉलर पर निर्भरता कम करने के प्रयास किए तो उन पर 100% टैरिफ लगा दिया जाएगा।

➢ चिंताएं :

- भारत वि–डॉलरीकरण का समर्थन इसलिए भी नहीं करना चाहता है कि इसी स्थिति में चीनी 'चुआन' का महत्व बढ़ जाएगा।
- रूस युआन को प्राथमिकता दे रहा है लेकिन फिर भी भारत रूस के साथ युआन में व्यापार करने से परहेज कर रहा है।

- वर्तमान स्थिति में भारत डॉलर पर से अत्यधिक निर्भरता को कम करने के लिए प्रयत्नशील है और इसी कड़ी में RBI ने न केवल सोने की खरीद बढ़ा दी है, बल्कि विदेशों में रखे अपने सोने को भी वापस मंगा रहा है।

➢ डॉलरीकरण :

- इसका तात्पर्य ऐसी स्थिति से है, जब कोई देश घरेलू मुद्रा के साथ या उसके स्थान पर US Dollar को विनिमय के माध्यम के रूप में स्वीकृति देता है।
- वास्तव में यह मुद्रा प्रतिस्थापन का प्रकार है, जिसमें सरकारें पूरी तरह या आंशिक रूप से विदेशी मुद्रा को अपनाने का विकल्प चुन सकती है।
- भारत सहित कई देशों के लिए पिछले 80 वर्षों में US डॉलर प्रमुख वैश्विक आरक्षित मुद्रा रहा है।
- वर्तमान में US डॉलर 6.6 ट्रिलियन डॉलर के वैश्विक व्यापार में लेनदेन का आधार है।
- डॉलरीकरण के इतिहास की शुरुआत 1944 के 'ब्रेटन–वुड्स' सम्मेलन से जुड़ा है, जिस दौरान USA, कनाडा सहित 44 देशों ने वैश्विक मौद्रिक व्यवस्था को परिभाषित किया था।

➢ डॉलर का प्रभुत्व :

- केंद्रीय बैंक अंतर्राष्ट्रीय दावों का निपटान करने, विदेशी मुद्रा बाजारों में हस्तक्षेप करने तथा आपातकालीन फंड बनाए रखने के लिए विभिन्न मुद्राओं का प्रयोग करती है, जिसमें डॉलर का प्रमुख स्थान है।
- दुनिया भर में आयात–निर्यात के लिए डॉलर का प्रयोग किया गया है।
- सोने एवं तेल के कीमतों को डॉलर के मान में दर्शाया जाता है।
- डॉलर का वर्चस्व 2018 में उजागर हुआ, जब USA ने ईरान और उसके साथ व्यापार करने वालों पर डॉलर की पहुंच प्रतिबंधित करने का फैसला किया।

➢ आरक्षित मुद्रा :

- आरक्षित मुद्रा का तात्पर्य, ऐसी मुद्रा से है, जिसे केंद्रीय बैंक अपना विदेशी मुद्रा भंडार को बनाए रखने के लिए एक भाग के रूप में प्रयोग करता है।
- मुद्रा भंडार का प्रयोग आर्थिक झटकों से उबरने, आयात–मूल्य को चुकाने, ऋण चुकाने आदि में किया जाता है।
- IMF 8 मुद्राओं को आरक्षित मुद्रा की मान्यता देता है, जो है –

1. US डॉलर
2. ऑस्ट्रेलियाई डॉलर
3. ब्रिटिश पाउंड स्टर्लिंग

4. चीनी रेनमिनबी
5. कनाडाई डॉलर
6. स्विस फ्रैंक
7. यूरो
8. जापानी येन

- उपरोक्त में डॉलर को 'वैश्विक आरक्षित मुद्रा' माना जाता है, क्योंकि कुल वैश्विक भंडार में इसका योगदान 59% है।

➢ वि–डॉलरीकरण :

- यह डॉलर पर निर्भरता कम करने की एक प्रक्रिया है।
- हाल के वर्षों में चीन एवं रूस जैसे देश व्यापार के लिए चीनी मुद्रा का उपयोग बढ़ा रहे हैं तथा BRICS देश डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए एक नई आम मुद्रा बनाने पर संभावनाएं तलाश रहे हैं।

➢ रुपए का अंतर्राष्ट्रीयकरण :

- जब से USA ने रूस एवं ईरान को SWIFT (Society for Worldwide Interbank Financial Tele–Communication) से बाहर कर दिया है, तब से भारत सहित कई देश डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए प्रयासरत है।
- RBI ने 2022 में रूस–यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस पर USA द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बाद रुपए में वैश्विक व्यापार एवं चालान और भुगतान करने की अनुमति दी, जो रुपए के अंतर्राष्ट्रीयकरण का पहला प्रयास था।
- 'रुपए के अंतर्राष्ट्रीयकरण' का उद्देश्य व्यापार में भारतीय रुपए की वैश्विक स्वीकृति को बढ़ावा देना है।